CHETANA
International Journal of Education
(CIJE)
Peer Reviewed/Refereed Journal
(ISSN: 2455-8729 (E) / 2231-3613 (P))
Impact Factor
SJIF 2023 - 7.286

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

शोध-पत्र

Received 18.02.2023 Reviewed 26.02.2023 Accepted 19.03.2023

# शैक्षिक प्रयासों के क्रम में 'कमलवाणी 90.4 एफ.एम.' द्वारा श्रोता समूह तक पहुँचने एवं अन्तः क्रिया करने हेतु अपनायी जाने वाली क्रियाविधि

***डॉ. मुरलीधर मिश्रा**
****डॉ. अनुषा दूत**

**मुख्य शब्द -** *शैक्षिक प्रयास, कमलवाणी 90.4 एफ.एम., श्रोता समूह, पहुँच, अन्तः क्रिया, क्रियाविधि, गुणात्मक विश्लेषण आदि.*

**शोध सार**

*यह अध्ययन शैक्षिक प्रयासों के क्रम में कमलवाणी 90.4 एफ.एम. द्वारा अपने श्रोता समूह तक पहुँचने के लिए तथा एवं उनसे अन्तः क्रिया करने हेतु अपनायी जाने वाली क्रियाविधि को समझने के लिए किया गया है। अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए गुणात्मक प्रकृति के प्रदत्तों का विषयवस्तु विश्लेषण की सहायता से गुणात्मक विश्लेषण किया गया है। निष्कर्ष रूप में यह पाया गया है कि शैक्षिक प्रयासों के क्रम में कमलवाणी द्वारा श्रोता समूह तक पहुँचने के लिए विविध प्रयास किये जा रहे हैं, जिनमें वेबसाइट पर कार्यक्रमों का विवरण देना, सोशियल मीडिया का उपयोग, विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा ग्राम स्तर पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन, श्रोताओं को कमलवाणी के स्टुडियो में आमंत्रण, रेडियो द्वारा कार्यक्रमों सतत् एवं सघन प्रचार-प्रसार, शैक्षिक प्रयासों पर संकेंद्रित विशेष रूप से तैयार प्रपत्रों का वितरण तथा योजनाबद्ध ढंग से कार्यकर्ताओं द्वारा जनसम्पर्क शामिल हैं वहीं लक्ष्यित श्रोता से अन्तः क्रिया करने के लिए भी विविध क्रियाविधि अपनायी जा रही हैं, जिनमें वेबसाइट विविध सम्पर्क सूत्र एवं लिंक, सोशियल मीडिया का उपयोग, विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा ग्राम स्तर पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन, श्रोताओं को कमलवाणी के स्टुडियो में आमंत्रण, फोन-इन कार्यक्रमों का आयोजन, पृष्ठपोषण प्रपत्रों की पूर्ति तथा डाक द्वारा पत्र प्राप्ति शामिल हैं।*

## प्रस्तावना

विज़न 2030 की प्राप्ति में संचार एवं सूचना संचार प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण घटक है। सूचना का दर्शकों एवं श्रोताओं तक व्यापक रूप से प्रसार करने में सामुदायिक रेडियो महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कम संचरण शक्ति, नए संचार चैनल, डिजिटल सिग्नल प्रक्रिया का उपयोग करते हुए दो आयामों को एक साथ जोड़ने के लिए रेडियो प्रसारण की संचार प्रणाली को बढ़ावा दे सकता है। यह प्रौद्योगिकी के रूप में लोगों के जीवन पर प्रभाव बना सकता है। एक प्रसारण मीडिया के रूप में रेडियो को शैक्षिक उद्देष्यों में एक लम्बे समय के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। सामुदायिक रेडियो स्टेशनों के प्रसारित सकारात्मक राजनीतिक

कार्यक्रमों से लोकतांत्रीकरण को बढ़ावा मिल सकता है। सामुदायिक रेडियो स्टेशनों द्वारा सामुदायिक सदस्यों में सामुदायिक एकता, राजनीतिक जागरूकता एवं तकनीकी कौशल को विकसित कर लोकतांत्रीकरण को सम्भव बनाया जा सकता है। सामुदायिक रेडियो विशेष रूप से उपेक्षित समूहों को समय की मुख्य धारा में लाने का प्रमुख साधन बन कर उभर सकता है।

डेविड, जनकोवस्की एट ऑल (2002) के अनुसार विद्यार्थियों के अध्ययन विषयों पर कार्यक्रम विकसित कर विद्यालयीन पाठ्यक्रम एवं गतिविधियों के साथ-साथ प्रसारित किये जा सकते हैं। चूंकि, सामुदायिक रेडियो का मूल उद्देश्य वंचित क्षेत्र में सूचना देना है, अतः व्यवसायिक, कैरियर अवसर आदि सूचनाओं को कार्यक्रम का हिस्सा बनाया जा सकता है।

अफ्रीकानुस, एल. (2014) और दूत एवं मिश्रा (2015) के अनुसार सामुदायिक रेडियो एक लोकतांत्रिक समाज के निर्माण में उभरता हुआ साधन है। यह रेडियो अनसुनी आवाज को एक मंच प्रदान कर सकता है तथा विकास की भागीदारी के लिए सक्षम बना सकता है। सामुदायिक रेडियो कम संचरण शक्ति, नए संचार चैनल, डिजिटल सिग्नल प्रक्रिया का उपयोग करते हुए दो आयामों को एक साथ जोड़ने के लिए रेडियो प्रसारण की संचार प्रणाली को बढ़ावा दे सकता है। दूत एवं मिश्रा (2015अ एवं 2018) ने अपने अध्ययन में पाया कि सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति अधिकांश अध्यापकों और विद्यार्थियों का प्रत्यक्षीकरण सकारात्मक है।

कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन 90.4 एफएम द्वारा जनजागृति के लिए आयोजित एवं प्रसारित कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए तथा कार्यक्रम के उपरान्त इनका प्रभाव जांचने का प्रयास भी किया जाता है। अपने शैक्षिक प्रयासों के क्रम में कमलवाणी द्वारा श्रोता समूह तक पहुँचने के लिए कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन 90.4 एफएम क्या क्रियाविधि अपनाता है? तथा श्रोता समूह से अन्तः क्रिया के लिए कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन 90.4 एफएम की क्या क्रियाविधि रहती है? इन प्रश्नों का उत्तर प्राप्त करने के लिए यह अध्ययन किया गया है।

**अध्ययन उद्देश्य**

प्रस्तुत अध्ययन अग्रांकित उद्देश्यों पर आधारित है:

1. शैक्षिक प्रयासों के क्रम में कमलवाणी द्वारा श्रोता समूह तक पहुँचने के लिए अपनायी जाने वाली क्रियाविधि का अध्ययन करना।
2. शैक्षिक प्रयासों के क्रम में कमलवाणी द्वारा श्रोता समूह से अन्तः क्रिया करने के लिए अपनायी जाने वाली क्रियाविधि का अध्ययन करना।

**अध्ययन की अवधारणा**

प्रस्तुत अध्ययन अग्रांकित अवधारणाओं पर आधारित है:

1. अपने शैक्षिक प्रयासों के क्रम में कमलवाणी द्वारा श्रोता समूह तक पहुँचने के लिए विशिष्ट क्रियाविधि अपनायी जाती है।
2. अपने शैक्षिक प्रयासों के क्रम में कमलवाणी द्वारा से अन्तः क्रिया करने के लिए विशिष्ट क्रियाविधि अपनायी जाती है।

**अध्ययन विधि**

इस गुणात्मक अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए साक्षात्कार एवं अवलोकन प्रविधि की सहायता से वांछित सूचना संकलित की गयी हैं। गुणात्मक रूप से प्राप्त प्रदत्तों का विषयवस्तु विश्लेषण करते हुए निष्कर्ष प्राप्त किये गए हैं।

**प्रदत्तों की प्रकृति एवं विश्लेषण प्रविधि**

प्रस्तुत अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए गुणात्मक प्रकृति के प्रदत्तों का संकलन किये गए हैं तथा गुणात्मक प्रकृति के प्रदत्तों का विषयवस्तु विश्लेषण करते हुए गुणात्मक विश्लेषण किया गया है।

**प्रदत्तों का विश्लेषण एवं अध्ययन निष्कर्ष**

साक्षात्कार एवं अवलोकन प्रविधि की सहायता से प्राप्त सूचनाओं का विषयवस्तु विश्लेषण करते हुए अध्ययन के उद्देश्यानुसार आग्रांकित निष्कर्ष प्राप्त किये गए हैं:

**(अ) श्रोता समूह तक पहुँचने हेतु प्रयास संबंधी निष्कर्ष**

सामुदायिक रेडियो कमलवाणी 90.4 अपने शैक्षिक प्रयासों के क्रम में लक्ष्यित श्रोता समूह तक पहुँचने हेतु विविध प्रयास कर रहा है। इन प्रयासों को अग्रांकित चित्र की सहायता से समझा जा सकता है:

**चित्र 1: लक्ष्यित श्रोता समूह तक पहुँचने हेतु प्रयास**

सामुदायिक रेडियो कमलवाणी 90.4 अपने शैक्षिक प्रयासों के क्रम में लक्ष्यित श्रोता समूह तक पहुँचने हेतु विविध प्रयासों का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

*1. **वेबसाइट पर कार्यक्रमों का विवरण***

सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध शेखावाटी क्षेत्र के प्रथम एवं एकमात्र सामुदायिक रेडियो स्टेशन कमलवाणी 90.4 एफएम श्रोताओं को प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों से जन सामान्य को लगातार जोड़े रखने के लिए www.kamalnishtha.org/kamalvani वेबसाइट

पर कार्यक्रमों का विवरण दिया जाता है। इससे श्रोतागण को प्रसारण समय पर कार्यक्रमों से जुड़ने में सुविधा रहती है। इसके अलावा प्रसारित होने होने के बाद मुख्य कार्यक्रमों को इस वेबसाइट पर अपलोड भी कर दिया जाता है, जिससे प्रसारण क्षेत्र के भीतर या फिर बाहर रहने वाले श्रोता भी कमलवाणी के कार्यक्रमों को सुन सकते हैं ।

*2. **सोशियल मीडिया का उपयोग***

कमलवाणी अपने कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करने के लिए आधुनिक सोशियल मीडिया का उपयोग कर रहा है। प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के शीर्षक एवं उनके मुख्य विषय को सोशियल मीडिया यथा फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सअप आदि पर भी सांझा करते हैं। फेसबुक पर www.facebook.com/kamalvani.crs व्हाट्सअप पर KAMALVANI 90.4 FM CRS तथा ट्विटर पर भी KAMALVANI 90.4 FM CRS से जुड़ा जा सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म का योजनाबद्ध प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

*3. **विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन***

कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन अपनी फील्ड की गतिविधियों के अन्तर्गत क्षेत्र में स्थित राजकीय एवं निजी विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। इनमें क्विज, निबंध लेखन, पेन्टिंग, वाद-विवाद आदि का आयोजन प्रमुख रूप से किया गया है। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन स्टुडियो में आने का अवसर प्रदान किया जाता है।

*4. **ग्राम स्तर पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन***

प्रसारण क्षेत्र की ग्राम पंचायत, वार्ड तथा इनमें आयोजित होने वाली सभाएँ कमलवाणी का विषेष केन्द्र रहती है। इसके अतिरिक्त गांव के मुख्य चौक आदि में नुकक्ड़ नाटक आदि के द्वारा कमलवाणी के कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार किया जाता है। तथा प्रसारित कार्यक्रमों के प्रति फीडबैक भी लिया जाता है।

*5. **श्रोताओं को कमलवाणी के स्टुडियो में आमंत्रण***

राजस्थान का शेखावाटी क्षेत्र किसान, सैनिक, शिक्षार्थी, कारीगर आदि की बाहुल्यता वाला क्षेत्र है। प्रसारण क्षेत्र में निवास करने वाले समुदाय में इन समूहों की पहचान की गयी है तथा महिला एवं पुरूष दोनों ही वर्ग को कमलवाणी के स्टुडियो में आमंत्रित किया जाता है। इनके आगमन का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की समस्याओं एवं उपलब्धियों पर विचार-चिन्तन करना रहता है। आमंत्रित विद्यार्थी, अध्यापक, किसान, महिला आदि अपनी सहभागिता वाले कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार करते हैं।

*6. **रेडियो द्वारा प्रचार-प्रसार***

सामुदायिक रेडियो स्टेशन कमलवाणी 90.4 एफएम श्रोताओं को प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों से अवगत कराने एवं उनको सुनने हेतु प्रोत्साहित करने के लिए रेडियो द्वारा कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार करता है। प्रायः दो कार्यक्रमों के बीच के अन्तराल का उपयोग प्रचार-प्रसार के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रामो'ज कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार का संकेन्द्रित माध्यम हैं।

*7. प्रपत्र वितरण*

सामुदायिक रेडियो स्टेशन कमलवाणी 90.4 एफएम द्वारा आयोजित एवं प्रसारित किये जाने वाले कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार करने के लिए समय-समय पर प्रपत्रों (pamphlets) का प्रकाशन करवाकर वितरण किया जाता है।

*8. कार्यकर्ताओं द्वारा सम्पर्क*

सामुदायिक रेडियो स्टेशन कमलवाणी 90.4 एफएम के सक्रिय कार्यकर्ता विभिन्न प्रायोजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए क्षेत्र में सघन जनसम्पर्क का कार्य करते हैं। इस जनसम्पर्क का प्रमुख उद्देश्य इस सामुदायिक रेडियो स्टेशन द्वारा आयोजित एवं प्रसारित किये जाने वाले कार्यक्रमों का प्रचार-प्रसार करना होता है।

इस प्रकार अपने शैक्षिक प्रयासों के क्रम में सामुदायिक रेडियो स्टेशन कमलवाणी 90.4 एफएम द्वारा श्रोता समूह तक पहुँचने के लिए विविध प्रयास किये जा रहे हैं, जिनमें वेबसाइट पर कार्यक्रमों का विवरण देना, सोशियल मीडिया का उपयोग, विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा ग्राम स्तर पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन, श्रोताओं को कमलवाणी के स्टुडियो में आमंत्रण, रेडियो द्वारा कार्यक्रमों सतत् एवं सघन प्रचार-प्रसार, शैक्षिक प्रयासों पर संकेंद्रित विशेष रूप से तैयार प्रपत्रों का वितरण तथा योजनाबद्ध ढंग से कार्यकर्ताओं द्वारा जनसम्पर्क शामिल हैं।

**(आ) अन्तः क्रिया के लिए अपनायी जाने वाली क्रियाविधि संबंधी निष्कर्ष**

कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन लक्ष्यित श्रोता समूह से अन्तः क्रिया करने के लिए विविध प्रयास करता है। लक्ष्यित श्रोता समूह से की गयी अन्तः क्रिया का उपयोग कार्यक्रमों के विकास एवं सुधार हेतु किया जाता है। लक्ष्यित श्रोता समूह से अन्तः क्रिया हेतु अपनायी जाने वाली क्रियाविधि में अग्रांकित माध्यमों का समावेश है-

**चित्र 2: लक्ष्यित श्रोता समूह से अन्तः क्रिया हेतु अपनायी जाने वाली क्रियाविधि**

सामुदायिक रेडियो कमलवाणी 90.4 अपने शैक्षिक प्रयासों के क्रम में लक्ष्यित श्रोता से अन्तः क्रिया करने के लिए अपनायी जाने वाली क्रियाविधि का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

### *1. वेबसाइट पर विविध सम्पर्क सूत्र एवं लिंक*

सामुदायिक रेडियो स्टेशन कमलवाणी 90.4 एफएम श्रोताओं को प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों से जन सामान्य को लगातार जोड़े रखने के लिए www.kamalnishtha.org/kamalvani वेबसाइट पर विविध सम्पर्क सूत्र एवं लिंक दिये गए हैं। वेबसाइट पर दिये गये विविध सम्पर्क माध्यम श्रोतागण के साथ अन्तः क्रियात्मक सम्बन्ध स्थापित करने में सुविधा प्रदान करते हैं। इसके अलावा प्रसारित होने वाले मुख्य कार्यक्रमों को इस वेबसाइट पर अपलोड भी कर दिया जाता है, जिससे प्रसारण क्षेत्र के बाहर भी कमलवाणी के कार्यक्रमों को सुना जा सकता है। श्रोतागण कार्यक्रमों के विषय में अपनी राय/सुझाव प्रकाशित कर सकते हैं।

### *2. सोशियल मीडिया का उपयोग*

कमलवाणी अपने कार्यक्रमों की जानकारी प्रदान करने के लिए आधुनिक सोशियल मीडिया का उपयोग कर रहा है। प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के शीर्षक एवं उनके मुख्य विषय को सोशियल मीडिया यथा फेसबुक, ट्विटर, व्हाट्सअप आदि पर भी सांझा करते हैं। फेसबुक पर www.facebook.com/kamalvani.crs व्हाट्सअप पर KAMALVANI 90.4 FM CRS तथा ट्विटर पर भी KAMALVANI 90.4 FM CRS से जुड़ा जा सकता है।

### *3. विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन*

कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन अपनी फील्ड की गतिविधियों के अन्तर्गत क्षेत्र में स्थित राजकीय एवं निजी विद्यालयों में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है। इनमें क्विज, निबंध लेखन, पेन्टिंग, वाद-विवाद आदि का आयोजन प्रमुख रूप से किया जाता है। विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन करते समय आयोजन के विभिन्न सोपानों पर सम्बद्ध व्यक्तियों से अन्तःक्रिया करने का अवसर प्राप्त होता है।

### *4. ग्राम स्तर पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन*

प्रसारण क्षेत्र की ग्राम पंचायत, वार्ड तथा इनमें आयोजित होने वाली सभाएँ सम्बद्ध व्यक्तियों से अन्तःक्रिया करने का सुअवसर उपलब्ध कराती हैं। इसके अतिरिक्त गांव के मुख्य चौक आदि में नुकक्ड़ नाटक आदि के उपरान्त अनौपचारिक रूप दर्शकों से कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन के कार्यक्रमों के प्रति प्रतिपुष्टि की जाती है।

### *5. श्रोता समूहों को कमलवाणी के स्टुडियो में आमंत्रण*

शेखावाटी किसान, सैनिक, शिक्षार्थी, कारीगर आदि की बाहुल्यता वाला क्षेत्र है। प्रसारण क्षेत्र की समुदाय के रूप में इन समूह की पहचान की गयी है तथा महिला एवं पुरूष दोनों ही वर्ग को कमलवाणी के स्टुडियों में आमंत्रित किया जाता है। इनके आगमन का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र की समस्याओं एवं उपलब्धियों पर विचार-चिन्तन करना रहता है। आमंत्रित विद्यार्थी, अध्यापक, किसान, महिला आदि से कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन के कार्यक्रमों के बारे में प्रतिक्रिया जानी जाती है।

### *6. फोन-इन कार्यक्रमों का आयोजन*

कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन के स्टुडियों को फोन-इन कार्यक्रमों के लिए भी साधन संपन्न बनाया गया है। इसके माध्यम से लाईव कार्यक्रमों में समुदाय के विभिन्न लोग प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता आसानी से बना सकते हैं तथा अपनी समस्याएँ/सुझाव/चाहना आदि प्रकट कर सकते हैं। फोन-इन कार्यक्रमों का आयोजन इस सामुदायिक रेडियो को श्रोताओं से सीधे संवाद कायम करने में मदद करता है।

### *7. पृष्ठपोषण प्रपत्रों की पूर्ति*

कमलवाणी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की प्रभावशीलता एवं गुणवत्ता जानने एवं सुधारने के लिए समय-समय पर प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाते हैं तथा व्यक्तिश: संपर्क कर प्रश्नोत्तर के द्वारा सूचनाओं का संकलन किया जाता है।

### *8. डाक द्वारा पत्र प्राप्ति*

श्रोताओं से संवाद कायम करने की दृष्टि से डाक द्वारा पत्र प्राप्ति के लिए समय समय पर आह्वान किया जाता है। रूचिशील श्रोता पत्र द्वारा अपनी समस्याएँ/सुझाव/चाहना आदि प्रकट करते हैं। डाक द्वारा प्राप्त पत्रों का अध्ययन करके केवल चुनिंदा श्रोताओं के पत्रों को कार्यक्रम में सम्मिलित करते हुए उन्हें कमलवाणी सामुदायिक रेडियो स्टेशन की प्रतिक्रिया से अवगत कराया जाता है। किस पत्र को शामिल किया जाये एवं किस को नहीं इसका निर्णय प्रबन्धक मण्डल स्वविवेक से करता है।

इस प्रकार शैक्षिक प्रयासों के क्रम में सामुदायिक रेडियो स्टेशन कमलवाणी 90.4 एफएम द्वारा लक्ष्यित श्रोता से अन्तः क्रिया करने के लिए विविध क्रियाविधि अपनायी जा रही हैं, जिनमें वेबसाइट विविध सम्पर्क सूत्र एवं लिंक, सोशियल मीडिया का उपयोग, विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा ग्राम स्तर पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन, श्रोताओं को कमलवाणी के स्टुडियो में आमंत्रण, फोन-इन कार्यक्रमों का आयोजन, पृष्ठपोषण प्रपत्रों की पूर्ति तथा डाक द्वारा पत्र प्राप्ति शामिल हैं।

## शैक्षिक निहितार्थ एवं सुझाव

प्रस्तुत अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर कतिपय विशिष्ट शैक्षिक निहितार्थ एवं सुझाव इस प्रकार हैं:

1. शैक्षिक प्रयासों के क्रम में कमलवाणी 90.4 एफ.एम. द्वारा श्रोता समूह तक पहुँचने के लिए विविध प्रयास किये जा रहे हैं, जिनमें वेबसाइट पर कार्यक्रमों का विवरण देना, सोशियल मीडिया का उपयोग, विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा ग्राम स्तर पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन, श्रोताओं को कमलवाणी के स्टुडियो में आमंत्रण, रेडियो द्वारा कार्यक्रमों सतत् एवं सघन प्रचार-प्रसार, शैक्षिक प्रयासों पर संकेंद्रित विशेष रूप से तैयार प्रपत्रों का वितरण तथा योजनाबद्ध ढंग से कार्यकर्ताओं द्वारा जनसम्पर्क शामिल हैं। अन्य सामुदायिक रेडियो स्टेशन भी इसी तरह श्रोता समूह तक पहुँचने के लिए विविध प्रयास कर सकते हैं। तकनीकी के इस युग में अन्य सामुदायिक रेडियो स्टेशन किस प्रकार श्रोता समूह तक पहुँचने के लिए प्रयास कर रहे हैं, यह जानने के लिए कमलवाणी 90.4 एफ.एम. विशेष अध्ययन करवा सकता है।
2. कमलवाणी 90.4 एफ.एम. लक्ष्यित श्रोता से अन्तः क्रिया करने के लिए भी विविध क्रियाविधि अपनायी जा रही हैं, जिनमें वेबसाइट विविध सम्पर्क सूत्र एवं लिंक, सोशियल मीडिया का उपयोग, विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा ग्राम स्तर पर नुक्कड़ सभाओं का आयोजन, श्रोताओं को कमलवाणी के स्टुडियो में आमंत्रण, फोन-इन कार्यक्रमों का आयोजन, पृष्ठपोषण प्रपत्रों की

पूर्ति तथा डाक द्वारा पत्र प्राप्ति शामिल हैं। अन्य सामुदायिक रेडियो स्टेशन भी इसी तरह श्रोता समूह से अन्तः क्रिया करने के लिए विविध प्रयास कर सकते हैं। तकनीकी के इस युग में अन्य सामुदायिक रेडियो स्टेशन किस प्रकार श्रोता समूह से अन्तः क्रिया करने के लिए प्रकार प्रयास कर रहे हैं, यह जानने के लिए कमलवाणी 90.4 एफ.एम. विशेष अध्ययन करवा सकता है।

3. सामुदायिक सदस्यों की जनसांख्यिकीय प्रकृति व रेडियो में उनकी भागीदारी के बीच एक मजबूत रिश्ता पाया गया है तथा अधिक से अधिक सामुदायिक सदस्यों की सहभागिता होनी आवश्यक है। यह न केवल सामुदायिकता को बढ़ावा दे सकता है बल्कि अधिक सक्रिय रूप से सदस्यों को सामुदायिक रेडियो कार्यक्रमों में सहभागिता के लिए प्रोत्साहित कर सकता है। सामुदायिक रेडियो द्वारा विकसित किये जाने वाले कार्यक्रमों में जनसहभागिता को फील्ड की गतिविधियां अधिक आयोजित कर बढ़ाया जाये। कार्यक्रमों के विषय निर्धारण एवं गुणवत्ता के लिए प्राप्त होने वाली प्रतिक्रियाओं को गंभीरता से लेना चाहिए तथा श्रोताओं को इसके लिए प्रेरित किया जाना भी आवश्यक है। सामुदायिक रेडियो कमलवाणी द्वारा अपने विविध शैक्षिक कार्यक्रमों में जो संदेश किया जा रहा है वह विद्यार्थियों और अध्यापकों तक स्पष्ट रूप पहुँचने के लिए विशिष्ट क्रियाविधि का उपयोग किया जा सकता है।

**सन्दर्भ सूची**


- अफ्रीकानुस, एल. (2014). सिग्निफिकेन्स ऑफ इंटीग्रेटेड रेडियो रेडियो मॉडल इन डवलपमेन्टल प्रोसेस, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमिनिटिज एण्ड सोशियल साइन्स, मार्च, 5 (4), 622-627.
- कुमार, दिलीप (2014). रोल ऑफ कम्युनिटी रेडियो इन रूरल डवलपमेंट, इन्टरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसीप्लीनरी एप्रोच एण्ड स्टडीज, जून, 1 (3), 214-223.
- डेविड, जनकोवस्की एट ऑल (2002). कम्यूनिटी रेडियो इन इनिशियल स्टेज ऑफ 21 सेन्चुअरी, कमर्सिलिज्यम वर्सिस कम्यूनिटी पावर, मीडिया इन इनफोरमेशन ऐज, प्रस्पेक्टिविस एवं प्रोसफेक्ट्स, हेम्पटेन प्रेस, क्रेसकिल, एन.जे..
- हॉडकिन्सन, पॉल (2011). मीडिया क्लचर एण्ड सोशायिटी, सेज पब्लिकेशन्स: नई दिल्ली.
- हावले, केल्विन (2005). कम्यूनिटी मीडिया पीपुल, प्लेसेज एण्ड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी, केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस: केम्ब्रिज.
- दूत अनुषा एवं मिश्रा, मुरलीधर (2015). शैक्षिक संभावनाओं से युक्त सामुदायिक रेडियो का ऐतिहासिक एवं वर्तमान परिदृश्य, छवि नेशनल जर्नल ऑफ़ एजुकेशन, जुलाई-सितम्बर , 3(4), 1-10.
- दूत अनुषा एवं मिश्रा, मुरलीधर (2015अ). सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयास तथा इनकी प्रभावशीलता के प्रति लक्ष्यित श्रोता समूह का प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन, स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर ह्यूमैनिटी साइंस एंड इंग्लिश लैंग्वेज, अगस्त-सितम्बर, 2 (11), 2719-2723.

- दूत अनुषा एवं मिश्रा, मुरलीधर (2018). सामुदायिक रेडियो स्टेशन 'कमलवाणी 90.4 एफएम' के शैक्षिक प्रयासों की प्रभावशीलता के प्रति विद्यार्थियों तथा अध्यापकों के प्रत्यक्षीकरण का अध्ययन, रिव्यू ऑफ़ लिटरेचर, जनवरी, 5(6), 1-10.
- मैकमिलन, जेम्स एच. एण्ड शैली शूमेकर (1997). रिसर्च इन एजूकेशन, हारपर कोलिन्स कॉलेज पब्लिशर्स: न्यूयॉर्क.
- रायजादा, बी.एस. (1997). शिक्षा में अनुसंधान के आवश्कता तत्व, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी: जयपुर.
- www.kamalvani.org



**_Corresponding Author_**

***डॉ. मुरलीधर मिश्रा**, एसोसिएट प्रोफेसर
शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान
**_डॉ. अनुषा दूत_**, अध्यापक
राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, आकोदिया का खेड़ा, राजसमन्द, राजस्थान
*Email-dr.mdm@live.com, Mobile-9414543744*